शिफ्ट में बम्बई खाद्यान्न हैंडलिंग श्रमिक (रोजगार का विनियमन) स्कीम, 1975 से सबधित श्रमिकों ने क्लियरिंग एव फारवर्डिंग पूल के श्रमिकों को काम पर लगाये जाने पर इस आधार पर आपत्ति की कि ट्रांजिट शैडों से खाद्यान्नों के क्लियरेंस की जिम्मेदारी खाद्यान्न हैंडलिंग श्रमिक स्कीम के श्रमिकों की है और इसलिये क्लियरिंग एव फारवर्डिंग एजेंटों द्वारा अन्य मूल के श्रमिकों को नहीं लगाया जा सकता। इस विवाद के फलस्वरूप 7,800 मीट्रिक टन चावल बम्बई पत्तन न्यास के शैडों में जमा हुआ पड़ा है और क्लियरेंस की प्रतीक्षा में है। गतिरोध दूर करने के प्रयास किये जा रहे है, ताकि चावल का कन्साइनमेंट क्लियर किया जा सके।

रेल गाड़ियों का रद्द किया जाना

3569. **श्री रशीद मसूद** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले छ महीनों के दौरान दिल्ली से चलकर बम्बई, हावड़ा, मद्रास, गुवाहाटी और गोरखपुर जाने वाली कौन-कौन सी प्रमुख रेल गाडियों को रद्द किया गया था तथा उन्हें किन-किन तारीखों को रद्द किया गया था;

(ख) क्या इससे प्रभावित होने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये सरकार द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी, और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) से (ग) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

Depicting of Indian culture and civilisation to attract tourism

3570. SHRI RASHEED MASOOD: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have formulated a number of schemes to encourage tourism;

(b) whether Government have formulated any scheme for the development of sites and places depicting Indian culture and civilization also under the said schemes;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) to (d) The Ministry of Tourism has formulated several schemes to encourage tourism to India. These include undertaking sustained publicity and marketing campaigns in the overseas markets, development of infrastructure at centres of tourist interest, promotion of domestic tourism, construction of Yatri Niwases to provide budget accommodation, provision of Yatrikas at pilgrim centres; development of beach resorts, improvement of facilities for Himalayan trekking and water sports, preservation of natural heritage areas, floodlighting of monuments, development of facilities along Buddhist circuits, improvement in the quality of surface transport, development of wildlife tourism and provision of wayside facilities

The Ministry of Tourism has a scheme for promotion of cultural tourism. Under this scheme, infrastructural facilities are created at culturally important centres|monuments and at places of Buddhist importance

Interview for the post of Principals of Kendriya Vidyalayas

3571 SHRI ASHOK NATH VERMA: DR. R K. PODDAR:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state: